Hunting Down Water

Theme: Water

English | *Director:* Sanjay Barnela and Vasant Saberwal
00:32:00 | **Moving Images**

SYNOPSIS

From water for cultivation to water for washing cars and enjoying rain dances — water usage changes from the rural to urban landscape. The common thread is a demand for water, with scant regulation of water being relentlessly pumped out and its end use. The result: plummeting water tables, droughts, people migrating in search of livelihood, and an urban populace which cares little about water conservation. The price is paid by rural India from where water is diverted to cities, where children survive on grass rotis, where small farmers indebt their life to richer ones, who suck out water, make profits and move on. The film tracks the man-made water crisis across India – from Gujarat to Tamil Nadu.

हन्टिंग डाउन वाटर

विषयः जल

हिन्दी | निर्देशकः संजय बरनेला व वसंत सबरवाल
00:32:00 | प्रस्तुति मूविंग इमेज़ेज

कथासार

सिंचाई की ज़रूरत से लेकर कार धोने और रेन डांस के मज़े लेने तक, जल का उपयोग गांव से शहर तक बदलता जाता है। भूजल के बेतहाशा दोहन को रोक पाने में असमर्थ नीतियों और उसके अन्तिम उपयोग के बीच एक ही बात सामान्य है – वो है जल की मांग। परिणाम हैः भूजल का गिरता स्तर, सूखा, रोज़ी-रोटी की तलाश में लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना। लेकिन शहरी लोग जल संरक्षण के बारे में तनिक भी नहीं सोचते हैं। इसकी क़ीमत चुकानी पड़ती है भारत के गांवों को, जहां से पानी की धार शहरों की तरफ उनकी ज़रूरतों के लिए मोड़ दी जाती है। उस ग्रामीण भारत से जहां ज़िन्दा रहने के लिए बच्चे घास की रोटियां खाने को मजबूर होते हैं, जहां ग़रीब किसानों की ज़िन्दगी अमीरों के चंगुल में है, उन अमीरों के, जो जल का बेतहाशा दोहन करते हैं, उससे फ़ायदा उठाते हैं। यह फ़िल्म गुजरात से लेकर तमिलनाडु तक इस मानवजनित जल-संकट की पड़ताल करती है।